बलिदान क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

बलिदान, जिसे कभी-कभी “प्रस्तुति” भी कहा जाता है, वह कार्य है जिसमें कोई मूल्यवान चीज़ परमेश्वर को समर्पित की जाती है। बाइबल में, बलिदान मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं—

1. पापों का प्रायश्चित करने वाला बलिदान — जो पापों का प्रायश्चित करता है।
2. गैर-प्रायश्चितकारी प्रस्तुतियाँ — जो भक्ति, धन्यवाद या समर्पण को व्यक्त करती हैं।

पुराने नियम के बलिदान

पुराने नियम (Old Covenant) में, प्रायश्चितकारी बलिदानों के लिए भेड़, बकरी और बैल जैसी जानवरों का बलिदान दिया जाता था। ये बलिदान परमेश्वर के आदेशानुसार पापों से निपटने के लिए अस्थायी उपाय थे (लेवियाकरण 1–7)।

इस प्रक्रिया में जानवर को यहोवा के सामने लाया जाता, जहाँ पुजारी उसका बलिदान देता, उसका रक्त संग्रह करता और वेदी पर छिड़कता। यह रक्त जीवन का प्रतीक था और प्रायश्चित के लिए आवश्यक था, क्योंकि बाइबल कहती है:

“रक्त बहाए बिना पापों की क्षमा नहीं होती।“ (इब्रानियों 9:22)

बलिदान क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

ये जानवरों के बलिदान भविष्य में आने वाले पूर्ण और अंतिम बलिदान का संकेत थे। ये हमें यीशु मसीह, परमेश्वर के सच्चे मेमने, की ओर इंगित करते हैं, जिन्होंने संसार के पापों को दूर किया (यूहन्ना 1:29)।

साथ ही, अनाज, धन, या प्रथम फलों जैसी प्रस्तुतियाँ भी होती थीं, जो भक्ति के कार्य थे, लेकिन इनमें रक्त नहीं बहाया जाता था। इसलिए उन्हें सख्ती से बलिदान नहीं कहा जा सकता।

आधुनिक गलतफहमी

आज कई ईसाई कहते हैं कि जब वे चर्च को धन या वस्तुएँ देते हैं, तो वे “बलिदान” कर रहे हैं। ये प्रस्तुतियाँ परमेश्वर को प्रिय हैं और मूल्यवान भी हैं (फिलिप्पियों 4:18), लेकिन तकनीकी रूप से ये बलिदान नहीं हैं, क्योंकि इनमें रक्त के माध्यम से प्रायश्चित शामिल नहीं है।

क्या आज भी जानवरों का बलिदान आवश्यक है?

नहीं। नई व्यवस्था, जो यीशु मसीह द्वारा स्थापित की गई, में जानवरों के बलिदान की आवश्यकता समाप्त हो गई। इब्रानियों 10:1–10 में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि यीशु का बलिदान एक

बलिदान क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

बार और हमेशा के लिए है।

इब्रानियों 10:3–10 (हिंदी बाइबल, RSV/ERV-Hindi Standard)

“किन्तु ये बलिदान केवल पापों की स्मृति के लिए होते हैं।
बैल और बकरी का रक्त पापों को दूर नहीं कर सकता।
इसलिए, जब मसीह संसार में आया, उसने कहा:
‘बलिदान और अर्पण तूने नहीं चाहा, पर मेरे लिए शरीर तैयार किया।
जले हुए बलिदान और पाप के बलिदान में तू प्रसन्न नहीं हुआ। तब मैंने कहा, ‘यहाँ मैं हूँ—मेरे विषय में यह लिखा है—मैं तेरी इच्छा पूरी करने आया हूँ, हे परमेश्वर।’
इस प्रकार पहला बलिदान और अर्पण त्याग दिए गए, ताकि दूसरा स्थापित हो सके।
और उस इच्छा द्वारा, हमें यीशु मसीह के शरीर के बलिदान से एक बार और हमेशा के लिए पवित्र किया गया।”

यह दिखाता है कि पुराना बलिदान पाप को पूरी तरह दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं था। यह केवल यीशु के पूर्ण बलिदान की ओर संकेत करता था। यीशु ने, जो निर्दोष मेमना थे, स्वयं को एक बार और हमेशा के लिए बलिदान किया, जिससे जानवरों के बलिदान की आवश्यकता खत्म हो गई।

बलिदान क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

क्या आज जानवरों का बलिदान करना गलत है?

हाँ। ईसाइयों को जानवरों का बलिदान नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह यीशु के एक बार और हमेशा के प्रायश्चित को नकारना होगा। दुर्भाग्यवश, कुछ लोग, जो खुद को ईसाई कहते हैं, बिना समझे ऐसे रीति-रिवाजों में शामिल होते हैं। यह परमेश्वर की इच्छा नहीं है और आध्यात्मिक रूप से हानिकारक भी हो सकता है (गलातियों 5:1)।

हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम अपने प्रभु यीशु मसीह की कृपा और ज्ञान में बढ़ें, और पूरी तरह से उनके पूर्ण बलिदान पर भरोसा करें (2 पतरस 3:18)।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp